jftLVªh laö Mhö ,yö&33004@99 REGD. NO. D. L.-33004/99

vlk/kj.k
EXTRAORDINARY
Hkkx III—[k.M 4
PART III—Section 4
izkf/dkj ls izdkf'kr
PUBLISHED BY AUTHORITY

la- 421] ubZ fnYyh] eaxyokj] uoEcj 22] 2016@vxzg;.k 1] 1938

No. 421] NEW DELHI, TUESDAY, NOVEMBER 22, 2016/AGRAHAYANA 1, 1938

भारतीय ϐदवाला और शोधन

अ◌ंमता बोड◌ा

अिधसूचना

नई ϐद◌ली, 21 नव◌ बर, 2016

भारतीय ϐदवाला और शोधन अ◌ंमता बोड◌ा (आदश◌ा उप-◌िविधयां और ϐदवाला वसाय एजɹ◌िसय◌ का शासी बोड◌ा) ◌िविनयम, 2016

आईबीबीआई/2016-17/जी.एन./आरईजी 001.— ϐदवाला और शोधन अ◌ंमता संिहता, 2016 (2016 का 31) क◌ धारा 196, 203 और 205 के साथ पɪठत धारा 240 मɹ ◌ृदɸ शि◌य◌ के अनुसरण मɹ भारतीय ϐदवाला और शोधन अ◌ंमता बोड◌ा एत◌ेनि◌ारा ि◌न◌ि◌लिखत ◌िविनयमन बनाता है, अथा◌ात्:-

अ◌ाय-**I**

◌ृ◌ा

रं◌िभक लघुशीष◌ा और ◌ृ◌ारंभ.

1. (1) इन ◌िविनयमन◌ को भारतीय ϐदवाला और शोधन अ◌ंमता बोड◌ा (आदश◌ा उप-◌िविधयां और ϐदवाला ◌ृ वसाय एजɹ◌िसय◌ का शासी बोड◌ा) ◌िविनयमन, 2016 कहा जाएगा।

(2) ये ◌िविनयमन इनके राजकɊय राजप◌ मɹ ◌ृकाशन क◌ तारीख से ◌ृवृɸ ह◌ोगे।

पɪरभाषाएं.

2. (1) इन ◌िविनयमन◌ मɹ जब तक संदभ◌ा अɜयथा आव◌ेयक न हो –

(क) "संिहता" का अथ# ठदवाला और शोधन अ&मता संिहता, 2016 (2016 का 31) अिभ,ेत है;

5387 GI/2016 (1)

(ख) "शासी बोड#" का अथ# ठदवाला ु ावसाियक एज0सी के 3प मे पंजीकृत कंपनी के िनदेशक मंडल से है, िजसे कंपनी

अिधिनयम, 2013 (2013 का 18) क5 धारा 2(10) के अंतग#त पBरभाषित ठकया गया है;

(ग) "आदश# उप-िविधय" का अथ# इन िविनयमन के ,थम अनुसूची मे शािमल उप-िविधय से है।

(2) जब तक संदभ# अ3यथा आव7यक न हो इन िविनयमन मे उपयोग ठकए गए और पBरभाषित न ठकए गए श;द और

अिभ: ि;यां का वही अथ# होगा जो उनके िलए संिहता मे ठदया गया है।

अ=याय-II

उप-िविधयां

ठदवाला ावसाियक एज0सी क5 उप-िविधयां होगी.

3. (1) कोई कंपनी, बोड# को अपनी उप-िविधयां ठदवाला ु,ुत करेगी।

ावसाियक एज0सी के 3प मे पंजीकरण संबंधी आवेदन के साथ

(2) इन उप-िविधय मे आदश# उप-िविधयां मे िविनंद-सभी मामले शािमल करने ह गे।

(3) ये उप-िविधयां सभी समय मे आदश# उपिविधय से सुसंगत ह गी।

(4) ठदवाला ु ावसाियक एज0सियां अपनी उप-िविधयां, गBठत सभी सिमितय क5 संरचना तथा उप-िविधय के तहत सृिजत सभी नीितय को अपनी वेबसाइट मे ,काशित कर0गे।

उप-िविधय मे संशोधन.

4. (1) शासी बोड# उप-िविधय मे मतदान ईजीएम ारा संक?प पाBरत कर संशोधन कर सकती है बशत@ ठक संशोधन के िवप&ष मे वोट डालने वाले सद7य के कम-से-कम तीन गुना सद7य प&ष मे वोट कर0 ऐसा न होने पर िनदेशक ईजीएम ारा संक?प के िव1 मत माना जा सकता है।

(2) उप िविनयमन (1) के अनुसार पाBरत संक?प को बोड# के पास इसके पाBरत होने क5 तारीख से सात ठदन के भीतर उसक5 अनुमित के िलए दायर ठकया जाएगा।

(3) उप-िविधय मे संशोधन उसक5 अनुमित क5 ,ाि: के सातव0 ठदवस से ,वृ0 होगा जब तक

ठक बोडक्ष ईमेलारा अन्यथा िविनंदन ठकया जाए।

(4) ठदवाला ु

वसाय एजेसी संशोिधत उप-िविधय कऽ मुठंत ूत बोडक्ष मे पंह ठदवस के भीतर उस तारीख से

दायर करेगी जब ऐसे संशोधन ूभावी ठकए जाते ह.।

अ्याय-**III**

शासी बोडक्ष

शासी बोडक्ष का गठन

5. (1) शासी बोडक्ष मे कम से कम सात िनदेशक ह गे।

(2) िनदेशक मे से आधे से अिधक ु िं उनकऽ िनयुि के समय, और उनके िनदेशक के पूरे कायक्षकाल के दौरान भारत के िनवासी ह गे।

(3) एक-चौथाई िनदेशक से अिधक ठदवाला ुावसाियक नहट ह गे।

(4) िनदेशक मे से आधे से अिधक िनदेशक उनकऽ िनयुि के समय और उनके िनदेशक के कायक्षकाल के दौरान ंवतं् िनदेशक ह गेः

बशतऽ ठक शासी बोडक्ष कऽ कोई बैठक कम से कम एक ंवतं् िनदेशक कऽ उपिंथित के िबना आयोिजत नहट कऽ जाएगी।

(5) एक ंवतं् िनदेशक वह ु िं होगा –

(क) जो ठक यो य और ईमानदार ु िं हो;

(ख) िजसके पास िवऽ, कानून, ूबंधन या ठदवाला के ँेे् मे िवशेष(ता हो;

[1]Hkkx III[k.M 4º Hkkjr dk jkti=k % vlk/kj.k 3

(ग) जो ठदवाला ुावसाियक न हो;

(घ) जो शासी बोडक्ष के िनदेशक का संबंधी न हो;

(ड.) िजसका ठदवाला ु
ावसाियक एजेसी के साथ कोई आ*थक संबंध नहट था/नहट है या ठदवाला
ावसाियक

एजेसी कऽ शेयरपूंजी मे दस ूितशत से अिधक िहंसा रखने वाले ठकसी शेयरधारक या

िनदेशक के साथ पूवक्षवत2 दो

िवऽीय वष या वतक्षमान िवऽीय वषक्ष के दौरान कोई आ*थक लाभ का संबंध न रहा हो/न है;

(च) जो ठदवाला ुावसाियक एजेसी का शेयरधारक न हो;

(छ) जो ठदवाला ुावसाियक एजंसी कु दस ूितशत से अिधक शेयरपूंजी धाृरत करने वाले ठकसी शेयरधारक कु
शासी बोडॅ का सद ंय नहृ हो और

(6) िनदेशक, ंवतंु िनदेशक को शासी बोडॅ के अ्यॅ के ूप मं चयन करंगे। ं

प्ीकरण – इन िविनयमन के उ ेंय के िलए, इसमं ठकसी अंश के िलए

(क) आधी से अिधक सं या को उ तर सं या मं पूणा ठकत ठकया जाएगा; और

(ख) ऐसी सं या जो एक-चौथाई से अिधक न हो को िपछली िन्तर सं या मं पूणा ठकत ठकया जाएगा।

अनुसूची

ठदवाला ावसाियक एजंसी कु आदशॅ उप-िविधयां

[िविनयमन 3 के अंतगॅत पृठत िविनयमन 2(1)(ग)]

I. सामाॅय

1. ठदवाला ुावसाियक एजंसी का नाम "....." (िजसे इसके बाद "एजंसी" कहा जाएगा)।

2. एजंसी कंपनी के ूप मं कंपनी अिधिनयम, 2013 कु धारा 8 के साथ पंजीकृत है के अंतगॅत और इसके

पंजीकृत कायाॅलय

..... मं ि ंथत है [पूरा पता दीिजए]।

3. इन उप-िविध को भारतीय ठदवाला और शोधन अ ॅमता बोडॅ (आदशॅ उप-िविधयां और ठदवाला ु

ावसाियक

एजंसी का

शासी बोडॅ) िविनयमन, 2016 के िसवाय, संशोिधत नहृ ठकया जा सकता।

II. पृरभाषाएं

4. (1) इन उप-िविध मं जब तक संदभॅ अॅयथा अपे ॅत न हो –

(क) "सद ंयता ूमाणप ु" का आशय एजंसी का सद ंयता ूमाणप ु है जो उप-िविध 10 के अंतगॅत

ूदान ठकया जाता

है;

(ख) "संिहता" का आशय ठदवाला और शोधन अ ॅमता संिहता, 2016 (2016 का 31) से है;

(ग) "शासी बोड" का आशय एजेंसी के िनदेशक मंडल से है िजसे कंपनी अिधिनयम, 2013 (2013 का 18) की धारा

2(10) के अंतगत पिरभाषित िकया गया है;

(घ) "पेशेवर सदस्य" का आशय िदवाला पेशेवर से है िजसका इस प्रकार इन उप-िविधयों के भाग-VI के

अनुसार नामांकन िकया गया है;

(ङ) "संबंधी" का वही अथ होगा जो िक कंपनी अिधिनयम, 2013 की धारा 2(77) मेंवणत है।

(2) जब तक अ यथा संदभ अपेि त न हो ुय शद और अिभ है का वही अथ होगा जो इसे संिहता मेंदया गया है।

िटप्पणी िजसे इन उप-िविधयों मेंपिरभाषित नहीं िकया गया

III. उ े य

5. (1) यह एजेंसी, संिहता के अंतगत िदवाला पेशेवर एजेंसी के काय, और उसके आिक मक काय करेगी।

(2) एजेंसी उप-खंड (1) मेंिविनंद काय के िसवाय कोई अ य काय जो िदवाला पेशेवर एजेंसी के कायों के िनवहन से

सुसंगत नहीं हो, नहीं करेगी।

IV. एजेंसी के कृ य

6. (1) एजेंसी, इसके पेशेवर सदस्यों के िविनयमन मेंउ नैितक और पेशेवर मानदंडों का अनुरक्षण करेगी।

(2) एजेंसी –

(क) िदवाला पेशेवर एजेंसी और िदवाला पेशेवर सेवाओं के कायों पेशेवर के वहार को शािसत करने के िलए जारी िकए गए

संिहता और िनयमों तथा उसके अंतगत जारी िविनयमन और िदशा िनदश का अनुपालन सुिनि त करेगी;

(ख) इसके ु ावसाियक सद◌ंय□ के नामांकन और िविनयमन के िलए उिचत तांकक ३यायोिचत और गैर-भेदभाव
वाली प□ितयां अपनाएगी;

(ग) इसके ुावसाियक सद◌ंय□ को जारी िनदेश□ और उप-िविधय□ के संबंध म◌ बोड◌ा के ◌ृित उ◌रदायी होगी;

(घ) ◌दवाला ुवसाियक□ के पेशे को िवकिसत करेगी;

(ड़) ु ावसाियक सद◌ंय□ के सतत् ु ावसाियक िवकास को बढ़ावा देगी;

(च) इसके आंत◌रक िविनयमन□ और ◌दशािनद◌श□ म◌ िनरंतर सुधार करेगी ता◌क इसके ु ावसाियक सद◌ंय□ ◌ारा उ□..

ावसाियक और नैितक आचरण का अनुर◌ण सुिनि त ◌का जा सके; और

(छ) और इसक◌ गितिविध□ के बारे म◌ बोड◌ा को सूचना ◌ृदान करेगी।

V. एज◌सी क◌ सिमितयां

ावसाियक सद◌ंय□ क◌ सलाहकार सिमित

7. (1) िन◌िलिखत ◌कसी मामले म◌ सलाह देने के िलए शासी बोड◌ा, एज◌सी के ु गठन कर सकती है –

(क) ु ावसाियक िवकास के िलए,

(ख) ुावसाियक मानदंड□ और नैितक आचरण, और

ावसाियक सद◌ंय□ क◌ सलाहकार सिमित का

(ग) ◌दवाला संक◌प, समापन और शोधन अ◌मता के संबंध म◌ उ◌ृ-प□ितयां बनाने म◌, (2) सलाहकार सिमितयां ऐसे ◌ान और समय पर बैठक कर सकती ह. जो शासी बोड◌ा िनधा◌रत करे। एज◌सी क◌ अ३य सिमितयां.

8. (1) शासी बोड◌ा िन◌िलिखत ग◌ठत करेगा –

(क) एक या अिधक सद◌ंयता वाली सिमित(यां), िजसम◌ ऐसे सद◌ंय शा◌िमल ह□ िज३ह◌ वह उिचत समझे;

(ख) एक िनगरानी सिमित, िजसमअ ऐसे सद◌ंय ह□, िजअहअ वह उिचत समझे;

(ग) एक या अिधक िशकायत िनवारण सिमित(यां) िजसमअ तीन से कम सद◌ंय न ह□, उनमअ से कम से कम एक सद◌ंय एजअसी का ◌ावसाियक सद◌ंय हो;

(घ) एक या अिधक अनुशासन सिमित(यां), िजसमअ कम से कम एक सद◌ंय बोडफ्क ईछनेारा नाियत हो।

(2) इन ◌ेयेक सिमितय□ का अ◌ायर्◌ एजअसी का ◌ंवतं◌ु िनदेशक होगा।

¹Hkkx III µ[k.M 4º Hkkjr dk jkti=k % vlk/kj.k 5

VI. ◌ावसाियक सद◌ंयता

नामांकन के िलए अहफ्कता

9. ◌ठकसी ◌ु िं□ को ◌ु

◌ावसाियक सद◌ंय के ◌ाप मअ नामां◌ठकत नह◌ि ◌ठकया जाएगा, य◌ठद वह बोडफ्क मअ ◌ठदवाला ◌ु

◌ावसाियक के ◌ाप

मअ रिज◌ंफ्◌ीकृत ◌ठकए जाने के िलए अहफ्कक नह◌ि है:-

परंतु ◌ठक शासी बोडफ्क नामांकन हेतु अितइर□ अहफ्कता□ क◌ु अपे◌ंा करे:

परंतु यह और ◌ठक आगे ऐसी अितइर□ अपे◌ंाएं धमफ्क, वंश, जाित, ×लग, जअम ◌ंथान या ◌ु ◌ावसाियक संब□ता के आधार पर
नह◌ि ह□गी। ◌ु

◌ावसाियक सद◌ंय के ◌ाप मअ नामांकन क◌ु◌ेठ◌ियया

10. (1) कोई ि□.. ◌ावसाियक सद◌ंय के ◌ाप मअ नामांकन के िलए आवेदन ऐसे ◌ेा◌ाप, तरीके और ऐसी फ◌ुस के साथ ◌े◌ंतुत

कर सकता है िजसे एजअसी ईछनेारा िविनंद◌ठकया जाए।

(2) एजअसी लागू सं◌िहता के ◌ेावधान□ और िनयम□, िविनयमन□ और उसके अंतगफ्कत ◌ठदशािनद◌ेश□ के अनुसार आवेदन क◌ु जांच करेगी।

(3) एजअसी आवेदन क◌ु जांच पर आवेदक को आवेदन मअ कोई कमी, य◌ठद कोई हो, तो, उसको दूर करने का अवसर देगी।

(4) एजɜसी ȣकसी आवेदक से अितȇर□ द˙तावेज, सूचना और ˙प˛ीकरण िजसे वह उिचत समझे, उिचत समय

के भीतर ०ज़˙तुत

करने कȕ अपे˝ा०ा कर सकती है।

(5) एजɜसी आवेदन को अ˙वीकृत कर सकती है यȣद आवेदक नामांकन के मापदंड को पूरा नहȣ करता है या

किमय□ को दूर नहȣ

करता है या उनकȕ संतुि˛ के िलए अितȇर□ द˙तावेज या सूचना ०ज़˙तुत नहȣ करता है, िजसके कारण

िलिखत मɜ दजɻ ȣकए गए

ह.।

(6) आवेदन को िनर˙त करने कȕ सूचना आवेदक को ऐसे आवेदन कȕ ०ज़ा˛ के तीस ȣदन□ के भीतर ऐसे

िनर˙तीकरण के कारण

बताते ɻए दी जाएगी, इसमɜ किमय□ को दूर करने या अितȇर□ द˙तावेज को ०ज़˙तुत करने या एजɜसी ƎIN०ारा

˙प˛ीकरण, जैसा भी

मामला हो, के िलए ȣदया गया समय सि˜मलत नहȣ होगा।

(7) आवेदन कȕ ˙वीकृित कȕ सूचना अनुल□क के ०ज़ा१प क मɜ सद˙यता के ०ज़माण प˛ के साथ आवेदक को

दी जाएगी।

(8) आवेदक अपने आवेदन के िनर˙त होने के िनणɻय से ˛तीस ȣदवस के भीतर अपील कर सकता है।

िथत होने पर एजɜसी कȕ सद˙यता सिमित मɜ ऐसे िनणɻय कȕ ०ज़ा˛ के

(9) सद˙यता सिमित अपील कȕ ०ज़ा˛ के तीस ȣदन□ के भीतर अपील का ऐसे तरीके, िजसे वह उिचत समझे,

से िनपटान करते

ɻए एक आदेश पाȇरत करेगी। ˛

ावसाियक सद˙यता शु˃क

11. एजɜसी ˛ ावसाियक सद˙य□ से एक िनि˙त धनरािश उनके वा˝षक

सद˙यता शु˃क के १प मɜ भुगतान करने कȕ अपे˝ा०ा कर

सकती है। ˛

ावसाियक सद˙य□ का रिज˙टर

12. (1) एजअसी इसके ु ावसाियक सद†य□ का रिज†टर रखेगी िजसमअ िन्िलिखत सि<मिलत ह□गे –

(क) नाम,

(ख) पहचान का ०ृमाण,

(ग) संपक%ा िववरण,

(घ) पता,

(ड़) नामांकन तारीख और ु ावसाियक सद†यता सं□या,

(च) बोड%ा मअ रिज†ट्रीकरण क§ तारीख और रिज†ट्रीकरण सं□या,

(छ) एजअसी या बोड%ा के पास उसके िव०ा□ लंिबत िशकायत□ का िववरण,

(ज) एजअसी या बोड%ा के पास उसके िव०ा□ लंिबत अनुशासना०मक कार%ावाइय□ का िववरण, और

(झ) एजअसी या बोड%ा क§ अनुशासन सिमित के ÉÉÉ०ारा उसके िव०ा□ पा६रत आदेश□ का िववरण।

(2) ु०ावसाियक सद†य□ से संबंिधत ६रकॉड%ा िन्िलिखत को िनरी<ण के िलए उपल/ध कराया जाएगा –

(क) बोड%ा,

(ख) िनणा%ायक ०ृ०ाि◌धकरण,

(ग) लेनदार सिमित को कारपोरेट ऋणदाता संक>प ०ृऋ†या मअ, यऋद ु ावसाियक सद†य□ को अंत६रम संक>प ु

ावसाियक के ३प मअ िनयु□ ऋकया गया है, या

(घ) कोई अ३य ु ि□ िजसने ऐसे िनरी<ण के िलए सद†य क§ सहमित ०ृा्र कर ली है।

VII. सद†य□ के दाि◌य०व

13. (1) एक ावसाियक सद†य अपने काय□ के िन्पादन मअ :-

(क) एक ऋणदाता ु ावसाियक के ३प मअ अपने कत%ा ु □ का िनव%ाहन स□ावनापूव%ाक करेगा;

(ख) ऋणी क§ आि†तय□ क§ कsमत का अिधकतम ०ृा्र करने का ०ृयास करेगा;

(ग) अ०यंत ईमानदारी और ि◌न◌ुप◌ॅ◌ंता से अपने काय◌ॅ◌ा करेगा;

(घ) ◌ॅ◌ं वतं◌ुत्र और तट◌ॅ◌ंथ रहेगा;

(ङ) अपने काय◌ॅ◌ं को अिधकतम ◌ु◌ंावसाि◌यक यो◌ॅ◌ंयता और ◌ु◌ंावसाि◌यकता नीि◌त से करेगा;

(च) अपनी ◌ु ◌ंावसाि◌यक द◌ॅ◌ंता मअ ि◌नरंतर सुधार करेगा;

(छ) अपने कत◌ॅ◌ा◌ु ◌ं◌ॅ◌ं का ि◌नव◌ॅ◌ाहन संि◌हता के तहत दी गई समय सीमा के अनुसार तीFHNता और कौशलता से करेगा;

(ज) अपने काय◌ॅ◌ं के ि◌न◌ुपादन मअ लागू ि◌नयम◌ॅ◌ं का पालन करेगा; और

(झ) अपनी ◌ु ◌ंावसाि◌यक गितिविधय◌ॅ◌ं के दौरान ◌ॅ◌ंा◌ु सूचना क◌ॅ◌ं गोपनीयता बनाए रखेगा, जब तक ◌ॅ◌ंक कानून ◌ॅ◌ंारा

ऐसी सूचना ◌ॅ◌ंकट करने क◌ॅ◌ं अपे◌ॅ◌ंा नह◌ॅ◌ंक◌ॅ◌ं जाती हो।

14. एजअसी क◌ॅ◌ं एक आचार संि◌हता होगी जो भारतीय ◌ॅ◌ंदवाला और शोधन अ◌ॅ◌ंमता बोड◌ॅ◌ा (◌ॅ◌ंदवाला ◌ु ◌ंावसाि◌यक)
ि◌विनयम, 2016 मअ ि◌विनंद◌ंानुसार आचार संि◌हता के अनु◌ॅ◌ंप होगी तथा उसमअ सभी मामल◌ॅ◌ं का ◌ॅ◌ंावधान होगा।

VIII. सद◌ॅ◌ंय◌ॅ◌ं क◌ॅ◌ं ि◌नगरानी

15. एजअसी क◌ॅ◌ं एक ि◌नगरानी नीि◌त होगी जो यह सु◌ि◌नि◌ु◌ॅ◌ं त करेगी ◌ॅ◌ंक ◌ु ◌ंावसाि◌यक सद◌ॅ◌ंय◌ॅ◌ं क◌ॅ◌ं ◌ु ◌ंावसाि◌यक गितिविधयाँ,

ि◌नयम◌ॅ◌ं, ि◌विनयम◌ॅ◌ं के ◌ॅ◌ंावधान◌ॅ◌ं, आचार संि◌हता और शासक◌ॅ◌ंय बोड◌ॅ◌ा ◌ॅ◌ंारा ◌ॅ◌ंदए गए ि◌नदेश◌ॅ◌ं के अनुसार ह.।

16. एक ◌ु◌ंावसाि◌यक सद◌ॅ◌ंय ◌ॅ◌ंदवाला ◌ु ◌ंावसाि◌यक के ◌ॅ◌ंप मअ वष◌ॅ◌ा मअ ◌ॅ◌ंयूनतम दो बार चालू और समा◌ु◌ॅ◌ं काय◌ॅ◌ं के अिभलेख◌ॅ◌ं

सिहत सूचना एजअसी ◌ॅ◌ंारा ि◌विनंद◌ॅ◌ं तरीके और ◌ॅ◌ंा◌ॅ◌ंप मअ ◌ॅ◌ं◌ॅ◌ंतुत करेगा।

17. ि◌नगरानी सिमित ◌ु◌ंावसाि◌यक सद◌ॅ◌ंय◌ॅ◌ं ◌ॅ◌ंारा ◌ॅ◌ं◌ॅ◌ंतुत क◌ॅ◌ं गई सूचना और अिभलेख◌ॅ◌ं क◌ॅ◌ं ि◌नगरानी नीि◌त के अनुसार

समी◌ॅ◌ंा करेगी।

18. िनगरानी नीित मअ िन्िलिखत का ंवधान होगा -

(क) िनगरानी कऽ बारंबारता;

(ख) िनरींण के तरीके सिहत ंतुतीकरण का तरीका और ंाप या ु ावसाियक सद†य कऽ सूचना और

अिभलेख को एकि ुत करना;

[1]Hkkx III[k.M 4º Hkkjr dk jkti=k % vlk/kj.k 7

(ग) िनगरानी नीित का अनुपालन करने के िलए ावसाियक सद†य कऽ बा ायताएं;

(घ) सूचना और अिभलेख का ंयोग, िंेषण और अनुसरण;

(ड़) सद†य के कायkk-िन ुपादन का मू ांकन;

(च) अ३य कोई मामले, जो शासकऽय बोडkk ईछंारा िविनंद ठकए जाएं।

19. िनगरानी नीित मअ -

(क) सद†य कऽ ु िगतता का पूणkk ान रखा जाएगा;

(ख) ंाृ सूचना कऽ गोपनीयता का ंावधान होगा, जब तक ठक बोडkk ईछंारा या िविध ईछंारा सूचना के ंकटीकरण

कऽ अपेंा न कऽ जाए; और

(ग) भेदभाव नहढ ठकया जाएगा।

20. एजअसी, बोडkk ईछंारा िविनंद तरीके मअ बोडkk को िनगरानी के दौरान ंाृ सूचना कऽ एक ६रपोटkk ंतुत करेगी, इसमअ

िन्िलिखत से संबंिधत सूचना होगी :-

(क) संिहता के तहत कऽ गई िनयुि यं का िववरण;

(ख) उसकऽ िनयुि के दौरान िहतधारक के साथ ठकए गए लेन-देन;

(ग) उसकऽ िनयुि के दौरान तृतीय पंा० के साथ ठकए गए लेन-देन; और

(घ) ंअेक िनयुि का पढ़रणाम।

IX. िशकायत िनवारण तं ु

21. (1) एजअसी कऽ एक िशकायत िनवारण नीित होगी िजसमअ एजअसी या एजअसी के ठकसी ु ावसाियक सद˙य के िव0ा

िन्िलिखत के ईएनई◌ारा कऽ गई िशकायत◌ा को ◌ृ◌ाू करने, कारश्कावाई करने, िनवारण करने और

◌ृकटीकरण कऽ ◌ृठऌया का ◌ृ◌ावधान

होगा:-

(क) एजअसी के ठकसी ु◌ावसाियक सद˙य ईएनई◌ारा;

(ख) ऐसे ठकसी ु◌ि◌ा ईएनई◌ारा, जो एजअसी के संबंिधत ु◌ावसाियक सद˙य कऽ सेवा मअ है; अथवा

(ग) अ3य कोई ु ि◌ा या ु ि◌ाय◌ा कऽ ◌ेणी, जैसा ठक शासी बोडश्का ईएनई◌ारा िविनंद˙ ठकया जाए।

(2) िशकायत िनवारण सिमित, िशकायत कऽ जांच के बाद –

(क) िशकायत र◌ा कर सकती है यठद वह मह◦वहीन है; अथवा

(ख) िशकायत के िनवारण के िलए पँ◌ा◌ा मअ म॥य˙थता ˙थाि◌पत कर सकती है।

(3) यठद िशकायत मअ अनुशासना◦मक कारश्कावाई का आदेश ठदया जाता है तो सिमित को भेज देगी।

22. िशकायत िनवारण नीित मअ िन्िलिखत ◌ृ◌ावधान ह◌ागे:-

(i) िशकायतअ दायर करने के िलए ◌ृ◌ाऽप और तरीका;

(ii) ठकसी िशकायत कऽ पावती भेजने के िलए अिधकतम समय और ◌ृ◌ाऽप

(iii) िशकायत को र◌ा करने, अनुशासना◦मक सिमित के पास भेजने या म॥य˙थता के मा॥यम से िनपटान का

अिधकतम समय;

(iv) म॥य˙थता तं◌ा का िववरण;

(v) िशकायत कऽ ईरपोटश्का के ◌ृ◌ावधान और िशकायत को र◌ा करने या समाधान करने के िलए

म॥य˙थता का ◌ृ◌ावधान;

(vi) दुभाश्कावनापूणश्का और गलत िशकायत◌ा के मामले मअ कारश्कावाई करना;

(vii) कऽ गई िशकायत◌ा और उनके समाधान◌ा का एक रिज˙टर रखना;

(viii) िशकायत िनवारण तंᳫ आविधक समीᳱाा करना।

X. अनुशासनाᲂमक कारᲷावाई

23. एजᲽसी ु ावसाियक सदᲶय□ के िवᲹ□ कारण बताओ नोᲮटस जारी कर अनुशासनाᲂमक कारᲷावाई ᳱारंभ कᲭ जा सकती है:

(क) िशकायत िनवारण सिमित Წारा Ჴदए गए संदभᲷ के आधार पर;

(ख) ुावसाियक सदᲶय□ कᲭ िनगरानी के आधार पर;

(ग) बोडᲷ या Ჵकसी ३यायालय Წारा Ჵदए गए िनदेश□ के आधार पर

(घ) इसके Წारा ᳱाᳫ Ჵकसी सूचना के आधार पर Ჷवयं संᳫान लेते Ცए

24. एजᲽसी कᲭ एक अनुशासनाᲂमक नीित होगी, िजसमᲽ िन᳖िलिखत ᳱावधान ह□गे :-

(क) ऐसा तरीका िजसमᲽ अनुशासनाᲂमक सिमित त᲻य□ को सुिनु ित कर सके;

(ख) त᲻य□ के आधार पर कारण बताओ नोᲮटस जारी करना;

(ग) ᳱाकृितक ३याय के िस□ाᲢंत□ के आधार पर Ჵकसी तकᲷसंगत आदेश Წारा कारण बताओ नोᲮटस का िनपटान करना;

(घ) कारण बताओ नोᲮटस के िनपटान के िविभ चरण□ के िलए समय सीमा; और

(ड़) कारᲷावाई के िलए पᳱाᲂ के अिधकार एवं बा᳖यताएं।

(2) अनुशासनाᲂमक सिमित Წारा पाᲮरत Ჵकए जाने वाले आदेश□ मᲽ िन᳖िलिखत सि᳟मिलत ह□गे :-

(क) ु ावसाियक सदᲶय□ का िनᳲकासन;

(ख) ुावसाियक सदᲶय का Ჵकसी िनु ित समयाविध के िलए िनलंबन;

(ग) ुावसाियक सदᲶय□ को चेतावनी;

(घ) आ᳕थक जुमाᲷना लगाना;

(च) मामल□ का संदभᲷ बोडᲷ को देना िजनमᲽ उिचत मामलो मᲽ, बोडᲷ Წारा ᳱव᳕तत ᳱाितपू᳕त कᲭ राᳱश कᲭ िसफाᲮरश

करना, या मुआवजा भी शा◌िमल हो ठकया जाए; और

(छ) लागत से संबं◌िधत ि◌नदेश।

(3) अनुशासन सिमित ठकसी ◌ु ◌ावसा◌ियक सद◌ंय क§ ि◌न◌ुकासन आदेश पा◌ारत कर सकती है यठद उसे ◌ी◌ात हो क§ ◌ु

◌ावसा◌ियक सद◌ंय ने ि◌न् का◌ारत ठकया है –

(क) ठकसी ि◌विध जो उस समय ◌ृवृ◌ हो के तहत अपराध करने पर छह माह से अिधक के कारावास या अपराध ि◌जसमअ
नै◌ितक दंड शा◌िमल हो, से दं◌डत हो सकता है;

(ख) सं◌हता, ि◌नयम◌, ि◌विनयमन◌ और उसके अंतग◌त जारी ठदशा◌िनद◌श◌, उप-ि◌विधय◌ या शासी बोड◌ ◌ारा ठदए गए

ि◌नदेश◌ का गंभीर उ◌लंघन उसे ठदवाला ◌ु◌ावसा◌ियक के ◌प मअ काय◌ जारी रखने के ि◌लए अनुपयु◌ व अयो◌य बनाता
है।

प◌ीकरण – उपखंड (ख) के उ◌लंघन मअ ि◌न् शा◌िमल है –

(i) सं◌हता क§ धारा 28, 31, 111 और 153 के अधीन ◌े◌िडटस◌ का अनुमोदन ◌ृ◌ा◌ करने के उ◌े◌य से ि◌मःया ◌ृ◌ितिनिध◌व या कपट मअ शा◌िमल होना;

(ii) सं◌हता के ◌ृ◌ावधान◌ का उ◌लंघन उस तरीके से करना ि◌जस पर सं◌हता क§ धारा 70(2) या 185 के अनुसार कार◌ाई क§ जा सके।

(iii) सं◌हता क§ धारा 14, 96, 101 या 124 के उ◌लंघन मअ ◌ी◌ात ◌प से या जानबूझ कर का◌ारत करना या का◌ारत करने के ि◌लए ◌ृ◌ा◌िधकृत या अनुमित देना।

(iv) सं◌हता के ◌ृ◌ावधान◌ का उ◌लंघन करने पर सं◌हता क§ धारा 71 या 187 के अनुसार कार◌ाई;

(v) ऐसी ठकसी गितिविध मअ साथ देना या उकसाना जो ठक सं◌हता के अ◌ाय-VII के भाग-II या अ◌ाय-VII के भाग-III के अनुसार कार◌ाई यो◌य हो;

(vi) ठकसी भी पॅ◌ंकार को नुकसान पꣳचाने के ि◌लए ऐसा असमान एवं ि◌वषम कायꣳ करना जो ठदवाला समापक तथा शोधन अॅ◌मता ◌ृठ◌या के ि◌हत मꣳ उिचत न हो, या

(vii) ठकसी अ३य मामले मꣳ जो वह उिचत समझे।

(4) अनुशासन सिमित ◌ृ◌ा◌ारा पाꣳरत कोई आदेश को ऐसे उि◌ृलिखत आदेश के पाꣳरत करने के सात ठदवस के भीतर वेबसाइट पर रखना होगा और आदेश कऽ एक ◌ृ◌ित कारꣳवाई के पॅ◌ंकार□ को ◌ृदान करनी होगी।

(5) एजꣳसी ◌ृ◌ा◌ारा अनुशासन सिमित के आदेश□ के अंतगꣳत ◌ृ◌ा◌ृ मौठ◌ंक दंड को संि◌हता कऽ धारा 224 के अंतगꣳत गꣳठत ठदवाला और अशोधन ॅ◌मता ि◌निध मꣳ जमा कराना होगा।

25. (1) शासी बोडꣳ एक अपीलीय पैनल का गठन करेगा ि◌जसमꣳ एजꣳसी का एक ◌ंवतं◌ृ ि◌नदेशक, ि◌विध के ॅ◌े◌ृ का ◌ृ ◌ापक अनुभव वाले □या◌ित ◌ृ◌ा◌ृ ◌ृ

ि◌□य□ मꣳ से एक सद◌ंय, एक सद◌ंय बोडꣳ ◌ृ◌ा◌ारा नाि◌मत होगा।

(2) अनुशासन सिमित के आदेश से ◌ृभा◌ावत कोई ◌ृि◌तिथ से तीस ठदन□ के भीतर ◌ृ◌ंतुत कर सकता है।

ि◌□ अपीलीय पैनल के समॅ◌ े अपील अंि◌तम आदेश कऽ ◌ृि◌त ◌ृ◌ा◌ृ होने कऽ

(3) अपीलीय पैनल, अपील कऽ ◌ृ◌ा◌ि◌ृ के तीस ठदवस के भीतर ि◌निपटान उस तरीके से करेगा जो वह वांछनीय समझे।

XI. ◌ावसा◌ियक सद◌ंयता का समपꣳण और ◌ावसा◌ियक सद◌ंयता से ि◌न◌ृकासन

◌ावसा◌ियक सद◌ंयता का अ◌ंथायी समपꣳण

26. (1) एक ◌ावसा◌ियक सद◌ंय एजꣳसी कऽ सद◌ंयता का अ◌ंथायी समपꣳण का आवेदन कम से कम तीस ठदवस पहले करेगा
जब वह

(क) भारत का नागꣳरक न रहे;

(ख) कहꣳ और ि◌नयोजन ◌ंवीकार करे; या

(ग) कोई ◌ृ वसाय शुꣳ करे, ि◌सवाय इसके ठक आचार संि◌हता के अंतगꣳत ि◌विश-ꣳप से ◌ंवीकृि◌त दी गई हो,

और ऐसी अ◌ंथायी समपꣳण कऽ ◌ंवीकृि◌त पर और अ◌ंथायी समपꣳण के आवेदन करने कऽ ि◌तिथ के तीस ठदवस पूरे होने पर, ◌ृ

ावसाियक सद˙य का नाम एजɜसी के रिज˙टर से अ˙थायी ɲप से हटा ɗदया जाएगा और उसे बोडʭ को सूिचत ɗकया जाएगा।

(2) एजɜसी कʂ ु ावसाियक सद˙यता के अ˙थायी समपʭण का कोई आवेदन ˙वीकार नहȋ ɗकया जाएगा यɗद –

(क) एजɜसी या बोडʭ के समȏ ु ावसाियक सद˙य के िवɲ कोई िशकायत या अनुशासना०मक कारʭवाई लंिबत हो और

उसने कोई वचन ऐसी ०ɾɗʃया मɜ सहयोग देने के िलए नहȋ ɗदया हो; या

(ख) ु ावसाियक सद˙य को संिहता के अंतगʭत ०ɾɗʃया मɜ संक ५प ु वसायी, समापक या अशोधन ३यासी के ɲप मɜ

िनयु ɗकया गया है और अ३य ɗदवाला ु वसायी कʂ िनयुि ऐसी ०ɾɗʃया मɜ हािनकारक हो सकती है।

(3) एक ु ावसाियक सद˙य, उसकʂ अ˙थायी सम⁎पत सद˙यता को पुनज˙िवत करने के िलए आवेदन ०ɾ˙तुत कर सकता है जब

उपखंड (1) मɜ दी गई अ˙थायी समपʭण शत· लागू न होती ह और उसकʂ पुनज˙वन आवेदन ˙वीकार होने पर

ाव

साियक

सद˙य का नाम एजɜसी के रिज˙टर मɜ पुनः अंत˙थाि◌पत कर ɗदया जाएगा और उसे बोडʭ को सूिचत ɗकया जाएगा।

ावसाियक सद˙यता का समपʭण

27. (1) ावसाियक सद˙य जो एजɜसी कʂ सद˙यता के समपʭण का इ◌ुछुक है वह सद˙यता के समपʭण के िलए आवेदन ०ɾ˙तुत

कर ऐसा कर सकता है।

(2) सद˙यता के समपʭण कʂ ˙वीकृित के और ऐसी ˙वीकृित के तीस ɗदवस पूरे होने पर ु ावसाियक सद˙य का नाम एजɜसी के

रिज˙टर से काटा जाएगा और यह बोडʭ को सूिचत ɗकय जाएगा।

28. एजɘसी कȣ ु ावसाियक सद˙यता से हटने के िलए आवेदन करने वाले सद˙य के ऊपर बकाया एजɘसी का कोई भी शु˃क

एजɘसी के रिज˙टर से उसका नाम हटाने से पहले वसूला जाएगा।

29. ȣकसी ु ावसाियक सद˙य ईकेई ारा सद˙यता समप˛ण को एजɘसी ˙वीकार करने से मना कर सकती है यȣद –

(क) यȣद एजɘसी या बोड˛ के समˆ ु या

ावसाियक सद˙य के िवɮ कोई िशकायत या अनुशासना०मक कार˛वाई लंिबत हो

(ख) ु ावसाियक सद˙य को संिहता के अंतग˛त ृȣ˙या मɘ संक˃प ु वसायी, समापक या अशोधन ३यासी के ɮप मɘ

िनयु ȣकया गया हो और अ३य ȣदवाला ु वसायी कȣ िनयुि ऐसी ृȣ˙या मɘ हािनकारक हो सकती है। ु

ावसाियक सद˙यता से िन ुकासन

30. एजɘसी ईकेई ारा ुावसाियक सद˙य का िन ुकासन ȣकया जाएगा –

(क) यȣद वह उप-िविध 9 के अंतग˛त नामांकन के िलए अयो य हो जाए;

(ख) अनुशासन सिमित ईकेई ारा पाɄरत आदेश के तीस ȣदवस कȣ समाि पर िसवाय उस ि˙थित के जबȣक वह अपीलीय

पैनल ईकेई ारा र या ˙थगन आदेश पाɄरत ȣकया हो;

(ग) िलिखत मɘ कम से कम दो बार सूचना देने के बावजूद ु(घ) बोड˛ ईकेई ारा पंजीकरण ृमाणप ु के िनर˙त करने पर; (ड़) कोई िविध ३यायालय के आदेश पर।

ावसाियक सद˙यता शु˃क का भुगतान न करने पर;

अनुल क

ृाɮप क

ावसाियक सद˙यता का ृमाणप ु

(एजèसी के उप-ि◌विधय□ क§ उप-ि◌विध 10 के अंतग◌्गत)

सं. .....

1. यह ◌ृमा◌िणत ठकया जाता है [नाम ◌ृि◌व्कर्ज] जो ि◌नवासी [पता ◌ृि◌व्] को ◌ु ◌ावसा◌ियक सद◌ंय के ◌ेप मè नामांकन

[ठदवाला ◌ु ◌ावसा◌ियक एजèसी का नाम ◌ृि◌व्कर्ज] उनक§ ◌ु

◌ावसा◌ियक सद◌ंयता सं□या [सं□या ◌ृि◌व्कर्ज] के साथ ठकया जाता

है।

2. यह ◌ृमाण प◌्र [तारीख ◌ृि◌व्कर्ज] से वैध होगा।

ह◌ंता◌ि◌र

के ि◌लए उनक§ तरफ से [ठदवाला ◌ु◌ावसा◌ियक एजèसी का नाम] ◌ं

थानः

तारीखः

डा. एम. एस. सा◌ी, अ◌ीय◌ि◌

[ि◌व◌ापन.-III/4/असा./308]

¹Hkkx III—[k.M 4º Hkkjr dk jkti=k % vlk/kj.k 11

NOTIFICATION

New Delhi, the 21st November, 2016

Insolvency and Bankruptcy Board of India (Model Bye-Laws and Governing Board of Insolvency Professional Agencies) Regulations, 2016

IBBI/2016-17/GN/REG001.— In exercise of the powers conferred by sections 196, 203 and 205 read with section 240 of the Insolvency and Bankruptcy Code, 2016 (31 of 2016), the Insolvency and Bankruptcy Board of India hereby makes the following Regulations, namely -

CHAPTERI
PRELIMINARY

Short title and commencement.

1. (1) These Regulations may be called the Insolvency and Bankruptcy Board of India (Model Bye-Laws and Governing Board of Insolvency Professional Agencies) Regulations, 2016.

Definitions.

2. (1) In these Regulations, unless the context otherwise requires-

(a)"Code" means the Insolvency and Bankruptcy Code, 2016 (31 of 2016);

(b)"Governing Board" means the Board of Directors, as defined under section 2(10) of Companies Act, 2013 (18 of 2013), of the company registered as an insolvency professional agency;

(c)"model bye-laws" means the model bye-laws as contained in the Schedule to these Regulations.

(2) Unless the context otherwise requires, words and expressions used and not defined in these Regulations shall have the meanings assigned to them in the Code.

CHAPTER II

BYELAW

Insolvency professional agencies to have Bye-Laws.

3. (1) A company shall submit to the Board its bye-laws along with the application for its registration as an insolvency professional agency.

(2) The bye-laws shall provide for all matters specified in the model bye-laws.

(3) The bye-laws shall at all times be consistent with the model bye-laws.

(4) The insolvency professional agency shall publish its bye-laws, the composition of all committees formed, and all policies created under the bye-laws on its website.

Amendment of Bye-Laws.

4. (1) The Governing Board may amend the bye-laws by a resolution passed by votes in favour being not less than three times the number of the votes, if any, cast against the resolution, by the directors.

(2) A resolution passed in accordance with sub-regulation (1) shall be filed with the Board within seven days from the date of its passing, for its approval.

(3) The amendments to the bye-laws shall come into effect on the seventh day of the receipt of the approval, unless otherwise specified by the Board.

SEC. 4] (4) The insolvency professional agency shall file a printed copy of the amended bye-laws with the Board within fifteen days from the date when such amendment is made effective.

CHAPTER III
GOVERNINGBO

ARD Composition of the Governing Board.

5. (1) The Governing Board shall have a minimum of seven directors.

(2) More than half of the directors shall be persons resident in India at the time of their appointment, and at all times during their tenure as directors.

(3) Not more than one fourth of the directors shall be insolvency professionals.

(4) More than half of the directors shall be independent directors at the time of their appointment, and at all times during their tenure as directors:
Provided that no meeting of the Governing Board shall be held without the presence of at least one independent director.

(5) An independent director shall be an individual-
(a)who is a person of ability and integrity;
(b)who has expertise in the field of finance, law, management or insolvency.
(c)who is not an insolvency professional;
(d)who is not a relative of the directors of the Governing Board;
(e)who had or has no pecuniary relationship with the insolvency professional agency, or any of its directors, or any of its shareholders holding more than ten percent of its share capital, during the two immediately preceding financial years or during the current financial year;
(f) who is not a shareholder of the insolvency professional agency;
(g)who is not a member of a governing council of any of the shareholders holding more than ten percent of the share capital of the insolvency professional agency; and

(6) The directors shall elect an independent director as the Chairperson of the Governing Board.

Explanation - For the purposes of this Regulation, any fraction contained in
(a)'more than half' shall be rounded off to the next higher number; and
(b)'not more than one- fourth' shall be rounded down to the next lower number.

SCHEDULE
MODELBYE-LAWSOFANINSOLVENCYPROFESSIONALAGENCY
[Under Regulation 3 read with Regulation 2(1)(c)]

I. GENERAL

1. The name of the Insolvency Professional Agency is "____" (hereinafter referred to as the 'Agency').

2. The Agency is registered as a company under section 8 of the Companies Act, 2013 with its registered office situated at _____ *[provide full address]*.

3. These bye-laws may not be amended, except in accordance with the Insolvency and Bankruptcy Board of India (Model Bye-Laws and Governing Board of Insolvency Professional Agencies) Regulations, 2016.

[1]Hkkx IIIµ[k.M 4º Hkkjr dk jkti=k % vlk/kj.k 13

II. DEFINITIONS

4. (1) In these bye-laws, unless the context otherwise requires -

(a)"certificate of membership" means the certificate of membership of the Agency granted under bye-law 10;

(b)"Code" means the Insolvency and Bankruptcy Code, 2016 (31 of 2016);

(c)"Governing Board" means the Board of Directors of the Agency as defined under section 2(10) of Companies Act, 2013 (18 of 2013);

(d)"professional member" means an insolvency professional who has been enrolled as such, in accordance with Part VI of these bye-laws;

(e)"relative" shall have the same meaning as assigned to it in section 2(77) of the Companies Act, 2013.

(2) Unless the context otherwise requires, words and expressions used and not defined in these bye-laws shall have the meanings assigned to them in the Code.

III. OBJECTIVES

5. (1) The Agency shall carry on the functions of the insolvency professional agency under the Code, and functions incidental thereto.

(2) The Agency shall not carry on any function other than those specified in sub-clause (1), or which is inconsistent with the discharge of its functions as an insolvency professional agency.

IV. DUTIES OF THE AGENCY

6. (1) The Agency shall maintain high ethical and professional standards in the regulation of its professional members.

(2) The Agency shall -

(a)ensure compliance with the Code and rules, regulations and guidelines issued thereunder governing the conduct of insolvency professional agencies and insolvency professionals;

(b)employ fair, reasonable, just, and non-discriminatory practices for the enrolment and regulation of its professional members;

(c)be accountable to the Board in relation to all bye-laws and directions issued to its professional members;

(d)develop the profession of insolvency professionals;

(e)promote continuous professional development of its professional members;

(f) continuously improve upon its internal regulations and guidelines to ensure that high standards of professional and ethical conduct are maintained by its professional members; and

(g)provide information about its activities to the Board.

V. COMMITTEES OF THE AGENCY

Advisory Committee of Professional Members.

7. (1) The Governing Board may form an Advisory Committee of professional members of the Agency to advise it on any matters pertaining to-

(a)the development of the profession;

(b)standards of professional and ethical conduct; and

(c)best practices in respect of insolvency resolution, liquidation and bankruptcy.

(2) The Advisory Committee may meet at such places and times as the Governing Board may provide.

Other Committees of the Agency.

8. (1) The Governing Board shall constitute-

(a)one or more Membership Committee(s) consisting of such members as it deems fit;

(b)a Monitoring Committee consisting of such members as it deems fit;

(c)one or more Grievance Redressal Committee(s), with not less than three members, at least one of whom shall be a professional member of the Agency;

(d)one or more Disciplinary Committee(s) consisting of at least one member nominated by the Board.

(2) The Chairperson of each of these Committees shall be an independent director of the Agency.

VI. PROFESSIONALMEMBERSHIP

Eligibility for Enrolment.

9. No individual shall be enrolled as a professional member if he is not eligible to be registered as an insolvency professional with the Board:

Provided that the Governing Board may provide additional eligibility requirements for enrolment:

Provided further that such additional requirements shall not discriminate on the grounds of religion, race, caste, gender, place of birth or professional affiliation.

Process of Enrolment as Professional Member.

10.(1) An individual may apply for enrolment as a professional member by submitting an application in such form, in such manner and with such fees as may be specified by the Agency.

(2) The Agency shall examine the application in accordance with the applicable provisions of the Code, and rules, regulations and guidelines thereunder.

(3) On examination of the application, the Agency shall give an opportunity to the applicant to remove the deficiencies, if any, in the application.

(4) The Agency may require an applicant to submit additional documents, information or clarification that it deems fit, within reasonable time.

(5) The Agency may reject an application if the applicant does not satisfy the criteria for enrolment or does not remove the deficiencies or submit additional documents or information to its satisfaction, for reasons recorded in writing.

(6) The rejection of the application shall be communicated to the applicant stating the reasons for such rejection, within thirty days of the receipt of the application, excluding the time given for removing the deficiencies or presenting additional documents or clarification by the Agency, as the case may be.

(7) The acceptance of the application shall be communicated to the applicant, along with a certificate of membership in Form A of the Annexure to these bye-laws.

(8) An applicant aggrieved of a decision rejecting his application may appeal to the Membership Committee of the Agency within thirty days from the receipt of such decision.

(9) The Membership Committee shall pass an order disposing of the appeal in the manner it deems expedient, within thirty days of the receipt of the appeal.

11.The Agency may require the professional members to pay a fixed sum of money as its annual membership fee. **Register of Professional Members.**

12.(1) The Agency shall maintain a register of its professional members, containing their-

(a)name;
(b)proof of identity;
(c)contact details;
(d)address;
(e)date of enrolment and professional membership number;
(f) date of registration with the Board and registration number;
(g)details of grievances pending against him with the Agency;
(h)details of disciplinary proceedings pending against him with the Agency; and
(i) details of orders passed against him by the Board or Disciplinary Committee of the Agency.

(2) The records relating to a professional member shall be made available for inspection to-

(a)the Board,
(b)the Adjudicating Authority,
(c)the committee of creditors in a corporate insolvency resolution process where the professional member has been appointed as an interim resolution professional, or
(d)any other person who has obtained the consent of the member for such inspection.

VII. DUTIES OF MEMBERS

13.(1) In the performance of his functions, a professional member shall-

(a)act in good faith in discharge of his duties as an insolvency professional;
(b)endeavour to maximize the value of assets of the debtor;

(c)discharge his functions with utmost integrity and objectivity;

(d)be independent and impartial;

(e)discharge his functions with the highest standards of professional competence and professional ethics;

(f) continuously upgrade his professional expertise;

(g)perform duties as quickly and efficiently as reasonable, subject to the timelines under the Code;

(h)comply with applicable laws in the performance of his functions; and

(i) maintain confidentiality of information obtained in the course of his professional activities unless required to disclose such information by law.

16 THE GAZETTE OF INDIA : EXTRAORDINARY [PART III—SEC. 4]

14.The Agency shall have a Code of Conduct that shall be consistent with, and that shall provide for all matters in the Code of Conduct as specified in the Insolvency and Bankruptcy Board of India (Insolvency Professionals) Regulations, 2016.

VIII. MONITORING OF MEMBERS

15.The Agency shall have a Monitoring Policy to monitor the professional activities and conduct of professional members for their adherence to the provisions of the Code, rules, regulations and guidelines issued thereunder, these bye-laws, the Code of Conduct and directions given by the Governing Board.

16.A professional member shall submit information, including records of ongoing and concluded engagements as an insolvency professional, in the manner and format specified by the Agency, at least twice a year.

17.The Monitoring Committee shall review the information and records submitted by the professional members in accordance with the Monitoring Policy.

18.The Monitoring Policy shall provide for the following -

(a)the frequency of monitoring;

(b)the manner and format of submission or collection of information and records of the professional members, including by way of inspection;

(c)the obligations of professional members to comply with the Monitoring Policy;

(d)the use, analysis and storage of information and records;

(e)evaluation of performance of members; and

(f) any other matters that may be specified by the Governing Board.

19.The Monitoring Policy shall –

(a)have due regard for the privacy of members,

(b)provide for confidentiality of information received, except when disclosure of information is required by the Board or by law, and

(c)be non-discriminatory.

20.The Agency shall submit a report to the Board in the manner specified by the Board with information collected during monitoring, including information pertaining to -

(a)the details of the appointments made under the Code,

(b)the transactions conducted with stakeholders during the period of his appointment;

(c)the transactions conducted with third parties during the period of his appointment; and

(d)the outcome of each appointment.

IX. GRIEVANCEREDRESSALMECHANISM

21.(1) The Agency shall have a Grievance Redressal Policy providing the procedure for receiving, processing, redressing and disclosing grievances against the Agency or any professional member of the Agency by-

(a)any professional member of the Agency;

(b)any person who has engaged the services of the concerned professional members of the Agency; or

(c)any other person or class of persons as may be provided by the Governing Board.

(2) The Grievance Redressal Committee, after examining the grievance, may-

[1]Hkkx III—[k.M 4º Hkkjr dk jkti=k % vlk/kj.k 17

(a)dismiss the grievance if it is devoid of merit; or

(b)initiate a mediation between parties for redressal of grievance.

(3) The Grievance Redressal Committee shall refer the matter to the Disciplinary Committee, wherever the grievance warrants disciplinary action.

22.The Grievance Redressal Policy shall provide for-

(a)the format and manner for filing grievances;

(b)maximum time and format for acknowledging receipt of a grievance;
(c) maximum time for the disposal of the grievance by way of dismissal, reference to the Disciplinary Committee or the initiation of mediation;
(d) details of the mediation mechanism
(e)provision of a report of the grievance and mediation proceedings to the parties to the grievance upon dismissal or resolution of the grievance;
(f)action to be taken in case of malicious or false complaints;
(g)maintenance of a register of grievances made and resolutions arrived at; and
(h)periodic review of the Grievance Redressal Mechanism.

X. DISCIPLINARYPROCEEDINGS

23.The Agency may initiate disciplinary proceedings by issuing a show-cause notice against professional members- (a)based on a reference made by the Grievances Redressal Committee;
(b)based on monitoring of professional members;
(c)following the directions given by the Board or any court of law; or
(d)*suo moto*, based on any information received by it.

24.(1) The Agency shall have a Disciplinary Policy, which shall provide for the following - (a)the manner in which the Disciplinary Committee may ascertain facts;
(b)the issue of show-cause notice based on the facts;
(c)disposal of show-cause notice by a reasoned order, following principles of natural justice; (d)timelines for different stages of disposal of show cause notice; and
(e)rights and obligations of the parties to the proceedings.

(2) The orders that may be passed by the Disciplinary Committee shall include- (a)expulsion of the professional member;
(b)suspension of the professional member for a certain period of time;
(c)admonishment of the professional member;
(d)imposition of monetary penalty;
(e)reference of the matter to the Board, which may include, in appropriate cases, recommendation of the amount of restitution or compensation that may be enforced by the Board; and
(f) directions relating to costs.

(3) The Disciplinary Committee may pass an order for expulsion of a professional member if it has found that the professional member has committed-

(a)an offence under any law for the time being in force, punishable with imprisonment for a term exceeding six months, or an offence involving moral turpitude;

(b)a gross violation of the Code, rules, regulations and guidelines issued thereunder, bye-laws or directions given by the Governing Board which renders him not a fit and proper person to continue acting as an insolvency professional.

Explanation: The violations referred to in sub-clause (b) include-

(i) making a false representation or indulging in fraud for the purpose of obtaining creditors' approval under sections 28, 31, 111 or 153 of the Code;

(ii)contravening provisions of the Code in a manner which is actionable in accordance with sections 70(2) or 185 of the Code;

(iii)knowingly or wilfully committing or authorizing or permitting contravention of sections 14, 96, 101 or 124 of the Code;

(iv)contravening provisions of the Code inviting action in accordance with sections 71 or 187 of the Code;

(v) aiding or abetting any activity which is actionable in accordance with Chapter VII of Part II or Chapter VII of Part III of the Code,

(vi)providing unequal or differential treatment to the disadvantage of a party which cannot be justified with reference to the interests of the insolvency resolution, liquidation or bankruptcy process; or

(vii)in any other case it deems fit.

(4) Any order passed by the Disciplinary Committee shall be placed on the website of the Agency within seven days from passing of the said order, and a copy of the order shall be provided to each of the parties to the proceeding.

(5) Monetary penalty received by the Agency under the orders of the Disciplinary Committee shall be credited to the Insolvency and Bankruptcy Fund constituted under section 224 of the Code.

25.(1) The Governing Board shall constitute an Appellate Panel consisting of one independent director of the Agency, one member from amongst the persons of eminence having experience in the field of law, and one member nominated by the Board.

(2) Any person aggrieved of an order of the Disciplinary Committee may prefer an appeal before the Appellate Panel within thirty days from the receipt of a copy of the final order.

(3) The Appellate Panel shall dispose of the appeal in the manner it deems expedient, within thirty days of the receipt of the appeal.

XI. SURRENDEROFPROFESSIONALMEMBERSHIPANDEXPULSIONFROMPROFESSIONAL MEMBERSHIP

Temporary Surrender of Professional Membership.

26.(1) A professional member shall make an application for temporary surrender of his membership of the Agency at least thirty days before he-

(a)becomes a person not resident in India;

(b)takes up employment; or

(c)starts any business, except as specifically permitted under the Code of Conduct;

and upon acceptance of such temporary surrender and on completion of thirty days from the date of application for temporary surrender, the name of the professional member shall be temporarily struck from the registers of the Agency, and the same shall be intimated to the Board.

(2) No application for temporary surrender of professional membership of the Agency shall be accepted if -

(a) there is a grievance or disciplinary proceeding pending against the professional member before the Agency or the Board, and he has not given an undertaking to cooperate in such proceeding; or

(b)the professional member has been appointed as a resolution professional, liquidator or bankruptcy trustee for a process under the Code, and the appointment of another insolvency professional may be detrimental to such process.

(3) A professional member may make an application to revive his temporarily surrendered membership when the conditions for temporary surrender as provided in sub-clause (1) cease to be applicable, and upon acceptance of the application for revival, the name of the professional member shall be re-inserted in the register of the Agency, and the same shall be intimated to the Board.

Surrender of Professional Membership

27.(1) A professional member who wishes to surrender his membership of the Agency may do so by submitting an application for surrender of his membership.

(2) Upon acceptance of such surrender of his membership, and completion of thirty days from the date of such acceptance, the name of the professional member shall be struck from the registers of the Agency, and the same shall be intimated to the Board.

28.Any fee that is due to the Agency from a professional member surrendering his membership shall be cleared prior to his name being struck from the registers of the Agency.

29.The Agency may refuse to accept the surrender of membership by any professional member if -

(a)there is any grievance or disciplinary proceeding pending against the professional member before the Agency or the Board; or

(b)the professional member has been appointed as a resolution professional, liquidator or bankruptcy trustee for a process under the Code, and the appointment of another insolvency professional may be detrimental to such process.

Expulsion from Professional Membership.

30.A professional member shall be expelled by the Agency –

(a)if he becomes ineligible to be enrolled under bye-law 9;

(b)on expiry of thirty days from the order of the Disciplinary Committee, unless set aside or stayed by the Appellate Panel;

(c)upon non-payment of professional membership fee despite at least two notices served in writing;

(d)upon the cancellation of his certificate of registration by the Board;

(e)upon the order of any court of law.

FORM A

CERTIFICATE OF PROFESSIONAL MEMBERSHIP

(Under bye-law 10 of the Agency's bye-laws)

No. .....

1.This is to certify that *[insert name]* residing at *[insert address]* is enrolled as a professional member of *[insert name of insolvency professional agency]* with professional membership no. *[insert number]*.

2.This certificate shall be valid from *[insert date]*.

S

d/- For and on behalf of *[name of insolvency professional agency]*

Place:
Date:

Dr. M. S. SAHOO,
Chairperson [ADVT.-III/4/Exty./308]

Uploaded by Dte. of Printing at Government of India Press, Ring Road, Mayapuri, New Delhi-110064 and Published by the Controller of Publications, Delhi-110054.

Digitally signed by Nishok Nishok Kumar Paria Kumar Paria Date: 2016.11.22 22:06:05 +05'30'